भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3154

दिनांक 07.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण

3154. श्री राजीव रायः

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश में कार्यान्वित किए जा रहे स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी) की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार उत्तर प्रदेश के मऊ जिले सहित प्रत्येक गाँव को खुले में शौच से मुक्त बनाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रही है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार को उत्तर प्रदेश के मऊ जिले सहित प्रत्येक गाँव को खुले में शौच से मुक्त बनाने के अपने लक्ष्य को कब तक प्राप्त कर लेने की संभावना है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति

(श्री वी. सोमण्णा)

(क): स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [एसबीएम (जी)] का चरण II 2020-21 से 2025-26 की अवधि के दौरान खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति की स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने और सभी गांवों को ठोस तथा तरल अपशिष्ट प्रबंधन से कवर करने अर्थात गांवों को ओडीएफ प्लस (मॉडल) में परिवर्तित करने पर ध्यान देते हुए कार्यान्वित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में कुल 96,174 गांवों में से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [एसबीएम-जी] की एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएमआईएस) के अनुसार, 04.08.2025 तक, 93484 गांवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस (मॉडल) घोषित किया गया है।

(ख) से (घ): जी हाँ। उत्तर प्रदेश सरकार मऊ जिले के गांवों सहित प्रत्येक गांव को खुले में शौच मुक्त बनाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रही है। वर्ष 2012 में किए गए बेसलाइन सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य का मऊ जिले के गांवों सहित राज्य के सभी गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए लगभग 2.76 करोड़ व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य था। 2 अक्टूबर 2018 तक, राज्य ने अपने लक्ष्य का 100 प्रतिशत हासिल कर लिया है और स्वयं को खुले में शौच मुक्त घोषित कर दिया है।

*****